<u>दया की मूरत</u>

दया की मूरत ऊंचे ऊंचे सुदंर भवनों वाली मां अब कृपा कर दे
सागर से भी कई गुणा तू गहरे है दिलवाली मां अब कृपा कर दे

सारे दवारे छोड़ के हमने झोली यहां पसारी है
हमे भी तारो जैसे तुमने इतनी दुनियां तारी है
कितना अरसा खड़े रहेंगे लेकर झोली खाली मां अब कृपा कर दे

तीन लोक में तेरे जैसा और मां दानी कोई नहीं
जो बच्चों पर वारे सब कुछ वो बलिदानी कोई नहीं
तेरे सिवा हम दीनों की अब कैन करे रखवाली मां अब कृपा कर दे

दुख दरिद्र हरने वाली तूं संजीवनी बूटी मां
एक तुम्हारी ममता सच्ची बाकी हर शय झूठी मां
जनमों के बेहाल सवाली मांग रहे खुशहाली मां अब कृपा कर दे ॥